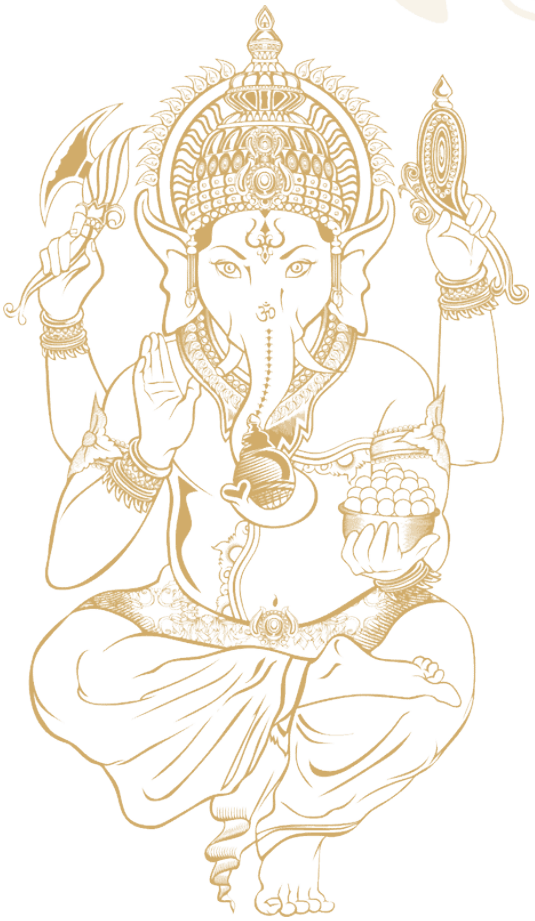

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/02/2026	जन्म तिथि	03/02/2026
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 17:42:00	जन्म समय	17:42:00 घंटे
घटी 26:23:47	जन्म समय(घटी)	26:23:47 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:29	सूर्योदय	07:08:29
18:01:45	सूर्यास्त	18:01:45
24:13:25	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:25

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 3मा 27दि	17:04:36	कर्क	लग्न	कर्क	17:04:36	केतु 1वर्ष 3मा 27दि
केतु	20:26:44	मक	सूर्य	मक	20:26:44	केतु
03/02/2026	10:48:29	सिंह	चंद्र	सिंह	10:48:29	03/02/2026
02/06/2027	14:28:07	मक	मंगल	मक	14:28:07	02/06/2027
00/00/0000	29:41:33	मक	बुध	मक	29:41:33	00/00/0000
00/00/0000	22:51:50	मिथु व	गुरु व	मिथु	22:51:50	00/00/0000
00/00/0000	27:06:03	मक	शुक्र	मक	27:06:03	00/00/0000
00/00/0000	04:40:02	मीन	शनि	मीन	04:40:02	00/00/0000
00/00/0000	14:48:36	कुंभ व	राहु व	कुंभ	14:48:36	00/00/0000
00/00/0000	14:48:36	सिंह व	केतु व	सिंह	14:48:36	00/00/0000
03/02/2026	03:14:11	वृष व	हर्ष व	वृष	03:14:11	03/02/2026
शनि 05/06/2026	05:59:12	मीन	नेप	मीन	05:59:12	शनि 05/06/2026
बुध 02/06/2027	09:33:10	मक	प्लूटो	मक	09:33:10	बुध 02/06/2027

लग्न-चलित

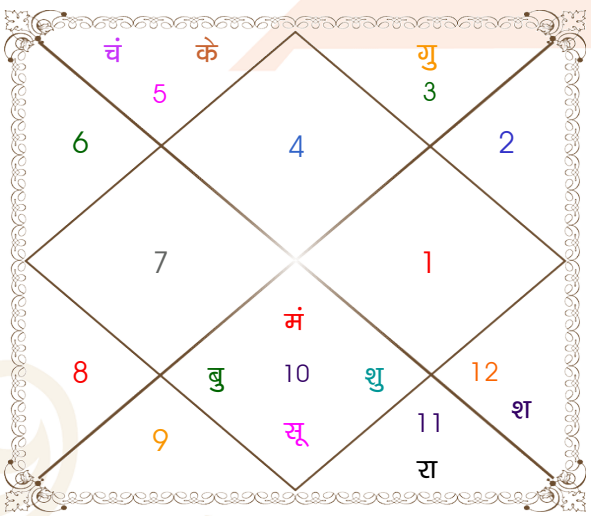

लग्न-चलित

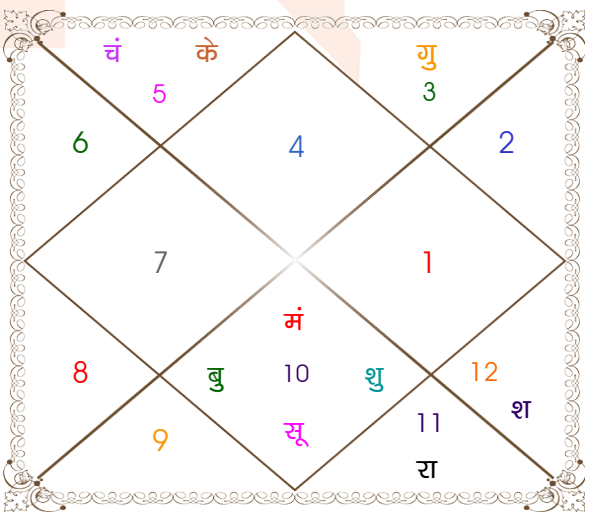

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।

विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।